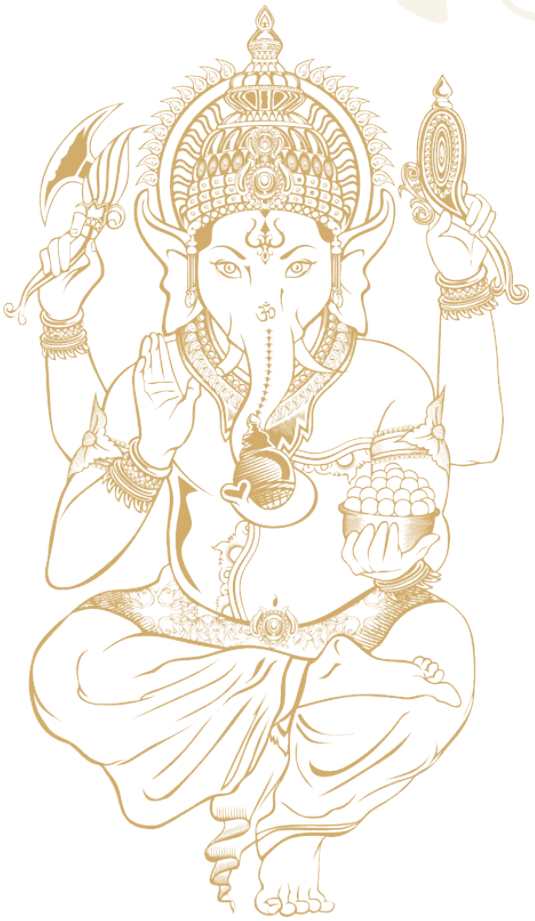

27 Apr 2010

05:35 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121481712

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/04/2010**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:35:00 घंटे**
इष्ट	59:37:38 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:19:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:09 घंटे
साम्पातिक काल	19:38:46 घंटे
सूर्योदय	05:43:56 घंटे
सूर्यास्त	18:43:39 घंटे
दिनमान	12:59:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:38:15 मेष
लग्न के अंश	08:57:31 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	हर्षण
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	08:57:31	455:54:17	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
सूर्य			मेष	12:38:15	00:58:21	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	22:41:47	14:20:37	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कर्क	16:54:51	00:23:14	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध	व	अ	मेष	15:22:45	00:37:42	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:57:48	00:12:23	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
शुक्र			वृष	08:10:28	01:12:58	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		कन्या	04:45:49	00:03:12	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	20:25:42	00:10:19	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	20:25:42	00:10:19	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	नीच राशि
हर्ष			मीन	04:45:59	00:02:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप			कुंभ	04:22:16	00:01:06	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	11:18:46	00:00:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			धनु	28:52:12	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:19

लग्न-चलित

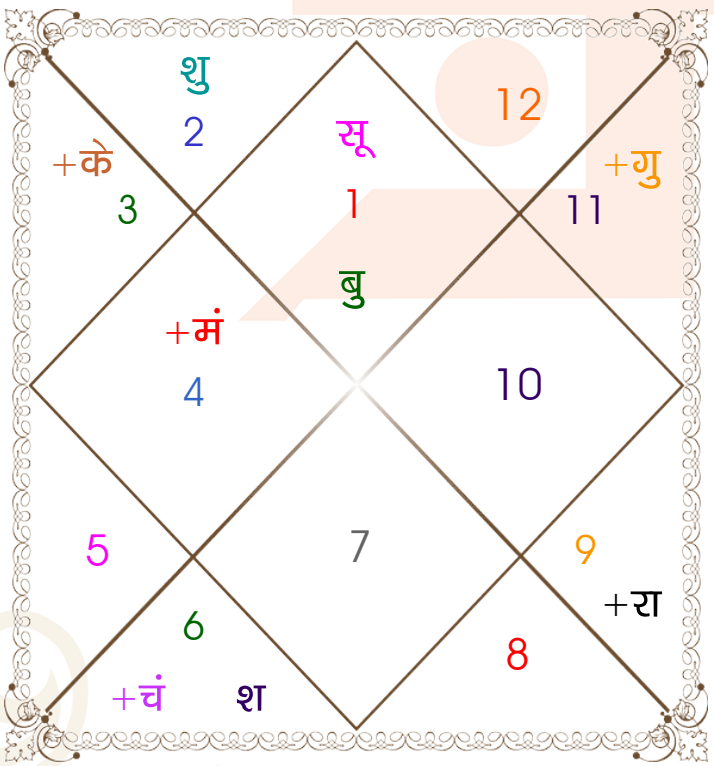

चन्द्र कुंडली

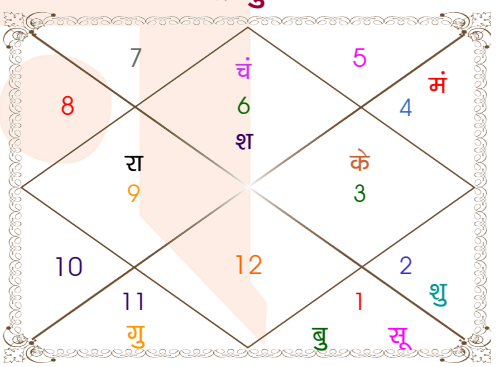

नवमांश कुंडली

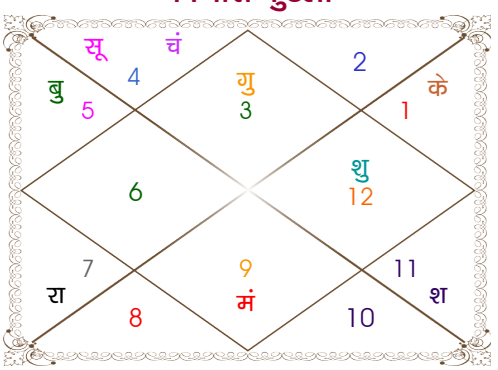

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 5 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/04/2010		18/10/2010		18/10/2017		18/10/2035		18/10/2051	
18/10/2010		18/10/2017		18/10/2035		18/10/2051		18/10/2070	
	00/00/0000	मंगल	16/03/2011	राहु	30/06/2020	गुरु	06/12/2037	शनि	21/10/2054
	00/00/0000	राहु	03/04/2012	गुरु	24/11/2022	शनि	18/06/2040	बुध	30/06/2057
	00/00/0000	गुरु	10/03/2013	शनि	30/09/2025	बुध	24/09/2042	केतु	09/08/2058
	00/00/0000	शनि	19/04/2014	बुध	18/04/2028	केतु	31/08/2043	शुक्र	09/10/2061
	00/00/0000	बुध	16/04/2015	केतु	07/05/2029	शुक्र	01/05/2046	सूर्य	21/09/2062
	00/00/0000	केतु	12/09/2015	शुक्र	06/05/2032	सूर्य	17/02/2047	चंद्र	21/04/2064
	00/00/0000	शुक्र	11/11/2016	सूर्य	31/03/2033	चंद्र	18/06/2048	मंगल	31/05/2065
	27/04/2010	सूर्य	19/03/2017	चंद्र	30/09/2034	मंगल	25/05/2049	राहु	06/04/2068
सूर्य	18/10/2010	चंद्र	18/10/2017	मंगल	18/10/2035	राहु	18/10/2051	गुरु	18/10/2070

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/10/2070		18/10/2087		18/10/2094		19/10/2114		19/10/2120	
18/10/2087		18/10/2094		19/10/2114		19/10/2120		28/04/2130	
बुध	16/03/2073	केतु	16/03/2088	शुक्र	17/02/2098	सूर्य	06/02/2115	चंद्र	19/08/2121
केतु	13/03/2074	शुक्र	16/05/2089	सूर्य	17/02/2099	चंद्र	07/08/2115	मंगल	20/03/2122
शुक्र	11/01/2077	सूर्य	21/09/2089	चंद्र	19/10/2100	मंगल	13/12/2115	राहु	19/09/2123
सूर्य	17/11/2077	चंद्र	22/04/2090	मंगल	19/12/2101	राहु	06/11/2116	गुरु	18/01/2125
चंद्र	19/04/2079	मंगल	18/09/2090	राहु	19/12/2104	गुरु	25/08/2117	शनि	19/08/2126
मंगल	15/04/2080	राहु	06/10/2091	गुरु	20/08/2107	शनि	07/08/2118	बुध	19/01/2128
राहु	02/11/2082	गुरु	11/09/2092	शनि	19/10/2110	बुध	14/06/2119	केतु	19/08/2128
गुरु	07/02/2085	शनि	21/10/2093	बुध	19/08/2113	केतु	19/10/2119	शुक्र	20/04/2130
शनि	18/10/2087	बुध	18/10/2094	केतु	19/10/2114	शुक्र	19/10/2120	सूर्य	28/04/2130

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 5 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करते हैं। आप उच्चकोटि के महत्वाकांक्षी, व्यक्ति हैं। आप अपने उद्येश्यित महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाते हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेते हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देते हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करते हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगते हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगे।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) के प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार की कलुषता नही रहती है। आप चाहते हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतें। यद्यपि आप यह चाहते है कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्पर रहते हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहते हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्त्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आते हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखते है। आपकी उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तः करण की सूचना प्रकट करता हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभव है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायीत्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुध हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायीत्व आपके कंधे पर है, अर्थात पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा

लेते है परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाते। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकते हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छा प्रभाव देने वाला नहीं है।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।